विश्व परिवर्तन का कार्य जल्द ही साकार रुप लेगा

जयपुर (ढेहर के बालाजी)। राजस्थान के लोकायुक्त जस्टिस जी.एल.गुप्ता ने ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा की जा रही आध्यात्मिक सेवाओं के गौरवशाली 75 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित प्लेटिनम जुबली कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि यहाँ जो भी कार्य चल रहा है इसके पीछे ईश्वरीय शक्ति साथ है। यह परमात्म योजना है।

उन्होंने संस्था के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउण्ट आबू प्रवास का अनुभव सुनाते हुए कहा कि इस संस्था के द्वारा जो विश्व परिवर्तन का कार्य चल रहा है वह जल्द ही साकार रूप लेगा। यहां के भाई-बहनों के त्याग एवं तपस्या से निर्मित वातावरण से जल्द ही विश्व में शांति की स्थापना होगी और एक नई सृष्टि का उदय होगा। 'एक ईश्वर एक परिवार' भावना यहां से चरितार्थ होती दिखाई दे रही है।

एन.के.शिक्षा संकुल के प्रबंध संचालक लूनायच जी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज द्वारा दी जा रही मूल्यनिष्ठ शिक्षा से लोगों के अंदर बुराईयों को छोड़ने की प्रेरणा मिलती है जिससे संस्कार परिवर्तन स्वत: ही हो जाता है। इनकी सेवा की समर्पणता से एक विश्व परिवार जल्द ही निर्मित होगा।

बियानी कॉलेज के डायरेक्टर संजय बियानी ने कहा कि यह संस्था मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना करने में अवश्य ही सफल होंगी और 'वन गॉड -वन फैमिली' की भावना साकार होगी।

पार्षद सुमित्रा पाटोदिया ने भी अपने माउण्ट आबू प्रवास के दौरान हुए अनुभवों को साझा किया।

प्रसिद्ध उद्योगपति राजेन्द्र केडिया ने कहा कि ये बहनें अपना समय देकर हमें भगवान से जोड़ देती है। सुखी जीवन रूपी वृक्ष का बीज बो देती है लेकिन भविष्य में इसे पानी देना या न देना ये हमारे हाथ में है।

जयपुर सबजोन की संचालिका ब्र.कु.सुषमा ने संस्था द्वारा की गई 75 वर्षों की विश्वव्यापी सेवाओं से अवगत कराया। उन्होने जीवन में सच्ची शांति का महत्व बताते हुए संस्था द्वारा चलाए गए अभियान 'एक विश्व परिवार की संकल्पना' स्पष्ट की। ब्र.कु.शीतल ने सेवाकेंद्र के 14 वर्षों की सेवाओं के इतिहास को प्रोजेक्टर के द्वारा दिखाया और इन आध्यात्मिक सेवाओं का उद्देश्य स्पष्ट किया।

पहली बार कैदियों को प्रदान की गई मूल्य शिक्षा एवं आध्यात्मिकता की डिग्रीयां

अहमदाबाद। साबरमती जेल के इतिहास में पहली बार जब अन्नामलाई विश्वविद्यालय एवं ब्रह्माकुमारीज के संयुक्त उपक्रम से आयोजित 'पोस्ट ग्रेजूएशन इन वेल्यू एजूकेशन एण्ड स्प्रीचुएलिटी' डिप्लोमा 56 कैदियों को प्रदान किया गया तो ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो यह केन्द्रीय कारागृह आश्रम में परिवर्तित हो गया है।

जिन 80 कैदियों ने इस परीक्षा में भाग लिया उनमें सर्वाधिक अंक मुम्बई ब्लास्ट के आरोपी सफदर नागोरी ने प्राप्त किया। मंच से सम्बोधन का अवसर प्राप्त होने पर उन्होने कहा कि जीवन की परीक्षा में कौन सा स्थान प्राप्त करना है, इसका महत्व है। जीवन में मूल्य एवं चरित्र का विशेष महत्व है। नस्ल, रंगभेद एवं जाति आधारित भेदभाव से ऊपर उठकर विश्व एकता एवं शांति के लिए प्रचार, प्रसार करना चाहिए। उन्होने आश्चर्य व्यक्त किया कि गरीबों के लिए निर्धारित सब्सिडी बंद कर दी जाती है लेकिन शराब तैयार करने वाली कंपनियों को लाभ पहुंचाने का भरसक प्रयास किया जाता है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए लोकपाल नियुक्त करने की बात तो करते हैं लेकिन नैतिकता एवं आस्था की चिंता किसे है?

एनकाऊंटर केस में जेल भोग रहे पुलिस अधिकारी डी.पी.बंजारा ने कवितामयी अभिव्यक्ति का सहारा लेते हुए कहा कि 'सच्चा मर्द वो जो हर हाल में खुश है, मिले अगर माल तो खुश है, हो जाये बेहाल तो हर हाल में खुश है। मिले अगर महल तो महल में खुश है, हो जाये अगर जेल तो जेल में भी खुश है।

पाटन कांड के आरोपी अतुल भी परीक्षा पारित करने वालों में शामिल थे। कारावास के दौरान 38 डिग्री प्राप्त करने वाले कैदी डॉ.भानु पटेल ने भी जेल भवन में आकर डिग्री हासिल की। सभी 'ड्रेस कोड' में दिखायी दे रहे थे। साबरमती जेल में सकारात्मक परिवर्तन के लक्षण स्पष्ट उभर कर आ रहे थे।

डिग्रीयां अन्नामलाई विश्वविद्यालय के उपकुलपति डॉ.एन.रामनाथन ने भेंट की, जबकि सफल प्रतिभागियों को मेडल ब्रह्माकुमारीज गुजरात की संचालिका ब्र.कु.सरला दीदी द्वारा वितरित किये गये।

ब्र.कु.सरला दीदी ने कहा कि जिस लगन और मेहनत से इन कैदी भाइयों ने यह डिग्रीयां हासिल की हैं, वह सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इन्होने यह साबित कर दिया कि स्थान व वातावरण महत्वपूर्ण नहीं है लेकिन दृढ़ इच्छा का होना आवश्यक है। ऐसा स्वस्थ वातावरण अब देश के अन्य जेलों में निर्मित होगा।

ब्रह्माकुमारीज शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु.मृत्युंजय ने अपने वक्तव्य में सभी की भरपूर सराहना करते हुए मूल्यनिष्ठ जीवन बिताने के लिए शुभकामनाएं दी।

कैदियों ने अपने अनुभव सांझे करते हुए बताया कि किस प्रकार उन्हें राजयोग द्वारा जीवन में परिवर्तन लाने की शक्ति मिली।

बैंड की धुनों से सज्जित मार्चपास्ट ने सभी का मन मोह लिया।

गुजरात के अतिरिक्त महानिदेशक एवं जेलों के आईजी पी.सी.ठाकुर, साबरमती केन्द्रीय जेल के अधीक्षक आर.जी.पारथी के विशेष पुरुषार्थ, विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक आर.मीनाक्षी सुन्दरम के अलावा सभी जेल अधीक्षकों की उपस्थिति ने समारोह को अविस्मरणीय बना दिया।

क्षेत्रीय संयोजिका ब्र.कु.नंदिनी ने सभी विद्यार्थियों को मूल्य एवं आध्यात्मिकता जीवन में अपनाकर श्रेष्ठ जीवन बिताने की प्रतिज्ञा कराई।

अन्नामलाई विश्वविद्यालय के उपकुलपति डॉ.एन.रामनाथन, ब्र.कु.सरला दीदी, ब्र.कु.मृत्युंजय, गुजरात के अति.पुलिस महानिदेशक पीसी ठाकुर तथा अन्य।

सदस्यता शुल्क

भारत - वार्षिक 150 रूपये,
तीन वर्ष 450 रूपये
आजीवन 3500 रूपये
विदेश - 1800 *रूपये (वार्षिक)*

कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ओम् शान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज्, शांतिवन, तलहटी
आबू रोड (राज.) 307510, फोन - 02974 235036, Enquiry for Membership-9414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHIN/2000/721 LINCENCE TO POST WITHOUT PRE PAYMENT UNDER TECH/W R /47-9/2009-2011 Postal Regd.No.RJ/SRO/9623/2009-2011, Posted at SHANTIVAN P.O.
संपादक:ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, सत्वाधिकार-प्रकाशक:ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित। DT. 22nd,24th&10th,12th